गणपत जी ओ गणपत जी | By Raja Goher |

गणपत जी ओ गणपत जी
विघ्न हरण मेरे गणपत जी
सबसे पहले तुम्हें मनाएँ
काज सँवारो गणपत जी
गणपत जी ओ गणपत जी
विघ्न हरण मेरे गणपत जी

गौरा माँ का राजदुलारा
तू शिव शंकर का है प्यारा
रिद्धि सिद्धि संग में तेरे
श्याम सवेरे तेरे नाम की
ज्योत जले है गणपत जी की
गणपत जी ओ गणपत जी
विघ्न हरण मेरे गणपत जी

लड्डुओं का तू भोग लगा
गणपत चार भुजा धारी
दर्शन को नैना तरस रहे हैं
आजा करके मूषक सवारी
कृपा लूँ ओ कृपा लूँ
गणपत मेरे कृपा लूँ
तू है दयालु गणपत जी
गणपत जी ओ गणपत जी
विघ्न हरण मेरे गणपत जी

तेरी पूजा कुछ न जानूँ
भक्त अनाड़ी कहती है दुनिया
करता रहेगा भजन तुम्हारे
राजा गोहर सारी उमरिया
ग़मों ने जब-जब घेरा है
तूने संभाला गणपत जी
गणपत जी ओ गणपत जी
विघ्न हरण मेरे गणपत जी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%97%e0%a4%a3%e0%a4%aa%e0%a4%a4-%e0%a4%9c%e0%a5%80-%e0%a4%93-%e0%a4%97%e0%a4%a3%e0%a4%aa%e0%a4%a4-%e0%a4%9c%e0%a5%80-by-raja-goher/